राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 215

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, रविवार, 12 जनवरी 2020

www.jagran.com

पृष्ठ 16

गावस्कर बोले, क्लास रूम में वापस लौटें छात्र

>> 14

सरोकार

दूसरों की मदद को एंबुलेंस बन जाती है इनकी कार

जयपुर : राजस्थान के जयपुर निवासी कर अधिकारी संदीप गुप्ता अपनी लग्जरी

कार को जरूरत पड़ने पर एंबुलेंस बनाकर अब तक बहुतों को अस्पताल पहुंचा चुके हैं। संदीप सड़क हादसों में घायल लोगों के लिए गाड़ी को एंबुलेंस बनाने में बिल्कुल संकोच नहीं करते। (पेज-15)

मुद्दा

क्रोध में कैंपस

स्थापित ताकतों को चुनौती का नतीजा

जेएनयू मामले पर विशेष पेज-7

विश्वास News

इंदिरा गांधी के दबाव में सीताराम येचुरी के इस्तीफे का दावा गलत ?

विश्वास न्यूज की पड़ताल • पेज 15

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

सीएए पर विपक्ष के झूठ के कारण फैली अराजकता : शाह

अहमदाबाद : गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि सीएए पर राहुल एंड कंपनी व अन्य विपक्षी पार्टियां झूठ फैलाकर लोगों को गुमराह कर रही हैं जिससे अराजकता का माहौल पैदा हुआ। शाह ने कहा, कानून में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जो देश के मुस्लिमों की नागरिकता छीनता हो।

नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 6

केरल में गिराए गए दो अवैध लक्जरी अपार्टमेंट

कोच्चि, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर शनिवार को केरल में मरादू नगरपालिका के तहत दो अवैध लक्जरी अपार्टमेंट्स 'होली फेथ एच2ओ' और 'अल्फा सरीन' को ढहा दिया गया। इन्हें तटीय विनियमन जोन (सीआरजेड) के मानकों का उल्लंघन कर बनाया गया था।

बिजनेस ▶ पृष्ठ 12

पूर्वी भारत से उगेगा समृद्धि का सूरज : धर्मेंद्र प्रधान

कोलकाता : पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को कोलकाता में मिशन पूर्वोदय का शुभारंभ किया। प्रधान ने मिशन पूर्वोदय को वह योजना बताया, जिसके दम पर भारत पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है।

अंतरराष्ट्रीय ▶ पृष्ठ 13

ताइवान में जीती साई इंग-वेन चीन को लगा जोर का झटका

ताइपे : चीन को कड़ा संदेश देते हुए ताइवान की जनता ने राष्ट्रपति साई इंग-वेन को भारी बहुमत से फिर सत्ता सौंपी है। शनिवार को आए चुनाव परिणाम में इस द्वीपीय देश में पहली महिला राष्ट्रपति को दोबारा सत्ता हासिल हुई है।

आदेश मिला तो गुलाम कश्मीर वापस ले लेंगे : सेना प्रमुख

सीधी बात ▶ पाक से लगी सीमा पर तैनात किए जाएंगे छह अपाचे हेलीकॉप्टर, चीन की चुनौती को देखते हुए पूर्वी सीमा पर तैनाती बढ़ाई

संविधान के दिशा-निर्देशों पर चलने की बात कर सियासी विवादों से दूरी का दिया संदेश

संजय मिश्र, नई दिल्ली

संसद चाहे तो पाक के कब्जे वाले गुलाम कश्मीर को वापस लेने के लिए भारतीय सेना तैयार है। आदेश मिला तो सेना कदम बढ़ा देगी। नवनियुक्त सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवाने ने शनिवार को यह बात कही। सेना प्रमुख ने चीन से लगी उत्तरी और पूर्वी सीमा की चुनौती को ज्यादा बड़ी बताते हुए क्षेत्र में नए सिरे से संतुलन की जरूरत भी जताई। उन्होंने पाक से लगी सीमा पर छह अपाचे हेलीकॉप्टर तैनात करने और चीन व पाक पर नजर रखने वाली मजबूत रणनीतिक पोस्ट सियाचिन को किसी सूरत में ढीला नहीं छोड़ने की बात भी कही। सियाचिन क्षेत्र में पाक-चीन की सेनाओं में साठगांठ की आशंका रहती है। दोहरे जंग की चुनौती से निपटने की रणनीति पर भी सेना काम कर रही है। सेना प्रमुख ने सियासी मसलों से दूर रहने का भी सांदेश दिया।

जनरल नरवाने ने सेना दिवस से पूर्व सालाना प्रेस कांफ्रेंस में पाक और चीन समेत तमाम सैन्य रणनीतिक मुद्दों पर राय रखी। विदेश मंत्री एस जयशंकर के गुलाम कश्मीर को वापस लेने संबंधी बयान पर कहा, 'संसद का प्रस्ताव है कि जम्मू-कश्मीर का पूरा क्षेत्र हमारा है, जिसमें गुलाम कश्मीर भी शामिल है। अगर संसद चाहती है कि उस इलाके पर भी हमारा नियंत्रण हो और हमें यह आदेश मिलता है तो उसके मुताबिक कार्रवाई की जाएगी।' मालूम हो कि पीवी नरसिंह राव सरकार के दौरान फरवरी, 1994 में संसद ने संकल्प प्रस्ताव पारित कर गुलाम कश्मीर को जम्मू-कश्मीर का क्षेत्र बताते हुए भारत का हिस्सा करार दिया था। सेना प्रमुख का यह सख्त बयान पाकिस्तान का खौफ और बढ़ाएगा।

नई दिल्ली में वार्षिक प्रेसवार्ता के दौरान थल सेना अध्यक्ष मनोज मुकुंद नरवाने। प्रेट्र

सीडीएस का गठन अच्छा कदम

सेना प्रमुख ने कहा कि सीडीएस के गठन से तीनों सेनाओं के बीच समन्वय से भविष्य में किसी जंग के लिए बेहतर तैयारी होगी। वैसे भी भविष्य के युद्ध हाईटेक टेक्नोलॉजी आधारित होंगे और इस दिशा में ट्रेनिंग पर जोर दिया जाएगा। सेना में अफसरों की कमी के सवाल पर उनका कहना था कि हमारा जोर संख्या पर नहीं गुणवत्ता पर है। इसीलिए भर्ती के मानदंड को हम नीचे नहीं करते क्योंकि पांच काबिल अफसर सौ लोगों के बराबर का काम कर सकते हैं।

चीन सीमा पर एडवांस्ड हथियार प्रणाली से साध रहे संतुलन

जनरल नरवाने ने कहा, अभी तक पश्चिमी और उत्तरी सीमा (पाकिस्तान) बड़ी चुनौती थी मगर अब हम चीन से लगी पूर्वी सीमा पर सैन्य तैनाती को बढ़ा रहे हैं। इसमें एडवांस्ड हथियार प्रणाली समेत सैन्य तैनाती में नए सिरे से संतुलन बनाया जा रहा है। अग्रिम मोर्चों तक सड़क बनाने का काम भी हो रहा है। हालांकि उन्होंने भारत-चीन के बीच शीर्ष नेतृत्व की वार्ताओं से सीमा पर तनाव के मसले सुलझा लिए जाने की बात पर संतोष भी जताया।

राजनीति से रहेंगे दूर

देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) बने पूर्व सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत के सियासी मसलों से जुड़े बयानों से मचे विवाद की पृष्ठभूमि के मद्देनजर नरवाने ने सर्तकता बरतते हुए साफ कर दिया कि सेना न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के संविधान की प्रस्तावना के मूल संदेश के शपथ के अनुरूप अपना काम करेगी। उन्होंने कहा, 'हम जनता के लिए जनता की सेना हैं।' सीएए के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन को लेकर जनरल रावत के बयानों से सियासी हंगामा मचा था। विपक्षी पार्टियों ने भी उन्हें घेरा था। सेना के अग्रिम मोर्चों पर महिला सैन्यकर्मियों की भर्ती के सवाल पर जनरल नरवाने ने कहा कि इसकी शुरुआत हो गई है और 100 महिला सैन्य कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

बैट दस्ते ने काटा पोर्टर का सिर, सेनाध्यक्ष बोले-सैन्य तरीके से निपटेंगे

पुंछ : पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान की बॉर्डर एक्शन टीम (बैट) ने शुक्रवार को भारतीय क्षेत्र में घुसकर सेना के साथ काम करने वाले एक पोर्टर का सिर काट दिया और उसके शव को क्षत-विक्षत कर दिया। यह पहला मौका है जब बैट ने किसी नागरिक के साथ ऐसी बर्बरता की है। इस हमले में दो पोर्टरों की मौत हुई थी और तीन घायल हो गए थे। इस संबंध में सेनाध्यक्ष नरवाने ने कहा, पेशेवर सेनाएं कभी भी बर्बर कृत्यों का सहारा नहीं लेती हैं। हम इस स्थिति से सैन्य तरीके से निपटेंगे। इस बीच, पुलिस ने सिर काटने का मामला दर्ज कर लिया है। (पेज-6)

डीएसपी के वाहन से पकड़े गए आतंकी

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

▶ गिरफ्तार किए गए दो आतंकियों में 10 लाख का इनामी नवीद भी शामिल

दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में शनिवार को जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर मीरबाजार में पुलिस ने वीरता पुरस्कार जीत चुके एक डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस (डीएसपी) को हिरासत में लेते हुए उसके साथ कार में सवार तीन आतंकियों को भी गिरफ्तार कर लिया। कार से पांच ग्रेनेड भी मिले हैं। पकड़े गए आतंकियों में 10 लाख का इनामी हिजबुल का ऑपरेशनल डिवीजनल कमांडर नवीद मुश्ताक उर्फ नवीद बाबू और उसका अंगरक्षक आसिफ भी शामिल है। तीसरा आतंकी लश्कर का आरिफ बताया जा रहा है और वह वाहन चला रहा था।

पुलिस अधिकारी को हिरासत में लेने के बाद जब उसके घर की तलाशी ली गई तो वहां से तीन ग्रेनेड, एक पिस्तौल और एक असाल्ट राइफल मिली है। फिलहाल, इन चारों से पूछताछ जारी है। सूत्रों के अनुसार, आरोपित डीएसपी का नाम देवेंद्र सिंह है और वह एंटी हाइजैकिंग विंग में तैनात है। संबंधित सूत्रों ने कहा कि यह पता लगाया जा रहा है कि उक्त अधिकारी आतंकियों के लिए काम कर रहा था या फिर वह उनका सरेंडर करा रहा था, क्योंकि वह पहले भी कई बार गुपचुप तरीके से नामी आतंकियों को आत्मसमर्पण करा चुका है। उक्त अधिकारी जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के सफाए में अहम भूमिका निभाने वाले राज्य पुलिस विशेष अभियान दल (एसओजी) के शुरुआती अधिकारियों में से एक है। उसने कई नामी आतंकियों को मार गिराने में अहम भूमिका निभाई है। वर्ष 2017 में उसे वीरता पुरस्कार भी मिला है। संसद हमले के साजिशकर्ता अफजल को पकड़ने में भी उसकी उल्लेखनीय भूमिका रही है।

आतंकी से मिले होने की मिली थी जानकारी : सूत्रों की मानें तो दक्षिण कश्मीर में तैनात एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को अपने तंत्र से पता चला था कि पुलिस विभाग का कोई अधिकारी दक्षिण कश्मीर में आतंकियों के साथ लगातार संपर्क में है। वह इन आतंकियों को दक्षिण कश्मीर में किसी जगह ले जाने वाला है। ऐसे में आतंकियों के साथ पुलिस अधिकारी को रंगे हाथ पकड़ने के लिए एक अभियान चलाया। डीएसपी शनिवार को जब आतंकियों को लेकर एक कार में कुलगाम में हाईवे पर गुजरने लगा तो पुलिस दल ने मीरबाजार में उनका वाहन रोक लिया। आतंकी कमांडर नवीद मुश्ताक अपने साथियों संग पकड़ा गया। उनके साथ मौजूद पुलिस अधिकारी को भी हिरासत में लिया गया। इसके बाद इन सभी को अनंतनाग में ले जाया गया।

11 लोगों की हत्या में शामिल है नवीद बाबू : आतंकी नवीद बाबू मई 2017 में आतंकी बना था। दक्षिण कश्मीर में जिला शोपियां निवासी नवीद का पूरा नाम नवीद मुश्ताक है और उसे बाबर आजम के नाम से भी जाना जाता है। करीब दो माह पहले ही उसे हिजबुल ने दक्षिण कश्मीर का ऑपरेशनल डिवीजनल कमांडर बनाया था।

जेपी नड्डा होंगे भाजपा अध्यक्ष

नई दिल्ली : भाजपा के मौजूदा कार्यकारी अध्यक्ष जेपी नड्डा के हाथ में ही अब पार्टी की औपचारिक कमान सौंपने की तैयारी शुरू हो गई है। पटना में जन्मे नड्डा को इसी महीने 19 या 20 तारीख को विधिवत भाजपा का अध्यक्ष चुन लिया जाएगा। वह अगले तीन साल तक दुनिया के सबसे बड़े दल के अध्यक्ष होंगे। अमित शाह का अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल पिछले साल जनवरी में ही पूरा हो गया था, चुनाव के चलते उनसे जिम्मेदारी संभालने को कहा गया था। (पेज-4)

निर्भया के दो दोषियों की क्यूरेटिव याचिका पर 14 को सुनवाई

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट निर्भया सामूहिक दुष्कर्म मामले के दो दोषियों की क्यूरेटिव याचिकाओं पर 14 जनवरी को सुनवाई करेगी। विनय और मुकेश की तरफ से ये याचिकाएं गुरुवार को दायर की गई थीं। दो दोषियों अक्षय व पवन ने याचिका नहीं दायर की है। दिल्ली की कोर्ट से चारों दोषियों को 22 जनवरी को फांसी पर लटकाने के लिए डेथ वारंट जारी हो चुका है। (पेज-6)

ईरान ने कुबूला, गलती से मार गिराया यूक्रेनी विमान

- पहले करता रहा इन्कार, अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ने पर लिया यू-टर्न
- ईरानी सेना ने कहा, दुश्मन विमान की आशंका में हुई गलती, मांगी माफी
- यूक्रेन ने की मुआवजे की मांग तो कनाडा बोला, जवाबदेही तय की जाए

ईरान में बुधवार को मिसाइल हमले में मार गिराए गए यूक्रेनी विमान का मलबा (फाइल फोटो)। एपी

तेहरान, एजेंसियां : ईरान ने आखिर मान लिया कि उसने गलती से यूक्रेन के यात्री विमान को मार गिराया था। इसमें सवार सभी 176 लोगों की मौत हो गई थी। ईरान पहले यही कहता रहा कि तकनीकी खामी के चलते विमान हादसा हुआ था, लेकिन अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ने पर यू-टर्न लेने को बाध्य हुआ। ईरान की सेना ने शनिवार को बयान में कहा कि दुश्मन का विमान होने की आशंका में यह गलती हुई। इसके लिए माफी मांगी जाती है। इस घटना पर अब तक चुप्पी साधे रहे ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने कहा कि सशस्त्र बल खामियों को दूर करें, ताकि दोबारा ऐसी गलती ना होने पाए। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने ईरान से विमान को मार गिराने के दोषियों को सजा और मुआवजा देने की मांग की है। जबकि कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडू जस्टिन ने कहा कि जवाबदेही तय होनी चाहिए। इस बीच यूक्रेन और फ्रांस में यह सहमति बन गई है कि विमान के ब्लैक बॉक्स की कूट भाषा को समझने में फ्रांसीसी विशेषज्ञ मदद करेंगे।

बुधवार को तेहरान एयरपोर्ट से कीव के लिए उड़ान भरने के बाद यूक्रेन इंटरनेशनल का बोइंग 737-800 विमान मिसाइल का निशाना बन गया था। इसमें सवार 82 ईरानी और 63 कनाडाई नागरिकों समेत 176 लोगों की मौत हुई थी। यह घटना इराक में दो अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ईरान के मिसाइल हमले के कुछ समय बाद हुई थी। ईरान ने शीर्ष कमांडर कासिम सुलेमानी की मौत का बदला लेने के लिए अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया था।

ईरान इस विनाशकारी गलती के लिए खेद जताता है। हम यह वादा करते हैं कि इस घटना के लिए जो जिम्मेदार हैं, उन पर मुकदमा चलाया जाएगा। मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं।

– हसन रूहानी, राष्ट्रपति, ईरान

इस कारण लेना पड़ा यू-टर्न

विशेषज्ञों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय जांच की बढ़ती मांग पर ईरान सच स्वीकार करने को विवश हुआ। क्योंकि ईरान के लिए मिसाइल हमले के साक्ष्यों को छुपाना मुश्किल हो गया था। तेहरान को मुल्क के अंदर बढ़ते गुस्से और विदेश में बढ़ती आलोचना के कारण भी यू-टर्न लेना पड़ा।

ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी ने बताया कि सेना की जांच में पाया गया कि मानवीय गलती से मिसाइलें दागी गई थीं। उस समय अमेरिका के संभावित हमले को लेकर अलर्ट था। विमान सेना के संवेदनशील इलाके के समीप आ गया था। विदेश मंत्री मुहम्मद जावेद जरीफ ने कहा, अमेरिकी दुस्साहस के कारण यह भयंकर भूल हुई। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड के जनरल अमीर अली हाजीजादेह ने कहा कि उनकी यूनिट दुर्घटनावश यूक्रेनी विमान को मार गिराने की जिम्मेदारी लेती है।

ईरानियों ने भी उठाए सवाल पेज>>13

सीएए पर बात करनी है तो दिल्ली आएं ममता : मोदी

जागरण संवाददाता, कोलकाता

▶ कोलकाता के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे पीएम से मिलीं बंगाल की सीएम

▶ मुलाकात के बाद सीएए-एनआरसी के विरोध में दिए जा रहे धरने में हुईं शामिल

दो दिवसीय दौरे पर शनिवार को कोलकाता पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राजभवन में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) व राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) जैसे मुद्दों पर उनसे फिर से विचार करने तथा इन्हें वापस लेने का अनुरोध किया। ममता ने यह भी दोहराया कि बंगाल में सीएए-एनआरसी को लागू नहीं होने देंगे। इस पर मोदी ने दो टूक कहा कि वह अभी किसी अन्य कार्यक्रम में शामिल होने यहां आए हैं। आपको यदि इस पर बात करनी है तो दिल्ली आइए। उन्होंने ममता को दिल्ली आने का न्योता भी दिया। मोदी से मिलने के बाद ममता वहां पहुंची, जहां तृणमूल कांग्रेस समर्थक छात्र सीएए-एनआरसी के विरोध में धरना दे रहे थे। उधर, मोदी से मुलाकात पर ममता बनर्जी को वामदल और कांग्रेस ने घेरा भी।

मोदी से मुलाकात के बाद राजभवन के बाहर निकलकर पत्रकारों से बातचीत में ममता बोलीं, मैंने पीएम से कहा कि यद्यपि आप हमारे अतिथि हैं, लेकिन सीएए-एनपीआर-एनआरसी के खिलाफ पूरे देश में आंदोलन चल रहा है। जनता में भय है। इसलिए मैं चाहूंगी कि किसी भी नागरिक के ऊपर अत्याचार न हो। सीएए-एनआरसीपर फिर से सरकार को मंथन करना चाहिए। हम चाहते हैं कि इसे वापस लिया जाय। मोदी ने दिल्ली आकर बात करने की बात कही है।

मोदी से मिलना मेरी संवैधानिक मजबूरी : ममता : मोदी से मुलाकात के बाद ममता सीएए के खिलाफ रानी रासमणि रोड पर आयोजित पार्टी की छात्र इकाई तृणमूल छात्र परिषद के धरने में शामिल हुईं। यहां उन्होंने कहा, सीएए-एनआरसी मुद्दे पर पीएम से बात करने वाली मैं पहली सीएम हूं। उन्होंने मोदी से मुलाकात पर सफाई देते हुए कहा, मुलाकात करना संवैधानिक मजबूरी है। इस दौरान उन्होंने भाजपा के साथ वाममोर्चा और कांग्रेस पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हम बंगाल में धर्म, जाति, पंथ के आधार पर कभी भी भेदभाव नहीं होने देंगे।

सीएए व एनआरसी जैसे मुद्दों पर फिर से विचार करें। इन्हें वापस लें। बंगाल में इनको लागू नहीं होने देंगे।

– ममता बनर्जी, मुख्यमंत्री, बंगाल

मैं अभी किसी अन्य कार्यक्रम में शामिल होने यहां आया हूं। आपको यदि इस (सीएए-एनआरसी) पर बात करनी है तो दिल्ली आइए।

– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

कोलकाता में राजभवन में पीएम से भेंट करतीं ममता बनर्जी। एएनआइ

राजभवन नहीं, बेलूर मठ में रुके प्रधानमंत्री

कोलकाता : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंगाल प्रवास के पहले दिन रामकृष्ण मिशन के मुख्यालय बेलूर मठ में रात्रि विश्राम किया। बेलूर मठ में रात बिताने वाले वे देश के पहले प्रधानमंत्री बन गए हैं। इंदिरा गांधी समेत देश के कई पूर्व प्रधानमंत्री बेलूर मठ का दौरा कर चुके हैं, लेकिन उनमें से किसी ने भी वहां रात्रि विश्राम नहीं किया। (पेज-5)

वामपंथी छात्रों ने मुख्यमंत्री के सामने किया प्रदर्शन : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कोलकाता दौरे को लेकर जारी वामपंथी छात्रों का विरोध शाम होते-होते मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ तब्दील हो गया। धर्मतला में ममता की मौजूदगी में वामपंथी संगठनों से जुड़े छात्रों ने उनका विरोध किया। उन्होंने बैरिकेड तोड़ दिए। एसएफआइ समर्थकों के विरोध को देखते हुए ममता बनर्जी ने उन्हें शांत कराने की कोशिश की, मगर वह नहीं माने।

वाममोर्चा ने कहा, सबके सामने आया ममता का असली चेहरा पेज>>5

उपलब्धि

युद्धपोत पर स्वदेशी लड़ाकू विमान की अरेस्टेड लैंडिंग कराने वाला छठा देश बना भारत, आइएनएस विक्रमादित्य पर लैंडिंग करने वाला तेजस पहला स्वदेशी विमान

नौसेना के विमानवाहक पोत पर तेजस की नई उड़ान

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

देश में ही बने हल्के लड़ाकू विमान तेजस ने विमानवाहक पोत आइएनएस विक्रमादित्य पर सफल लैंडिंग कर भारतीय नौसेना की एक और ऐतिहासिक उपलब्धि की दिशा में अहम कदम बढ़ा दिया है। इसके साथ ही तेजस नौसेना के विमानवाहक पोत पर उतरने वाला पहला स्वदेशी लड़ाकू विमान बन गया है। नौसेना के हवाई बेड़े के साथ उसकी युद्धक क्षमता में इजाफे के लिहाज से तेजस की यह नई कामयाबी बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

नौसेना और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने इस कामयाबी का ऐलान करते हुए कहा, शनिवार सुबह 10 बजकर दो मिनट पर तेजस की सफल लैंडिंग हुई। नौसेना के लिए खास तौर पर बनाए गए तेजस कोआइएनएस विक्रमादित्य पर पहली बार लैंडिंग कोमोडोर जयदीप मावलंकर ने कराई। डीआरडीओ की मदद से बने तेजस को एयरक्राफ्ट अरेस्टर वायर की मदद से विक्रमादित्य पर उतारा गया। नौसेना सूत्रों के अनुसार तेजस की इस सफल लैंडिंग के बाद अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, रूस और चीन के बाद भारत विमानवाहक पोत पर स्वदेश निर्मित लड़ाकू विमान की अरेस्टेड लैंडिंग कराने वाला छठा देश बन गया है। आइएनएस विक्रमादित्य पर तेजस ने जब कामयाब लैंडिग की तो उस समय यह पोत अरब सागर में तैनात था। नौसेना के मुताबिक परीक्षण और प्रयोग के कई दौर के बाद तेजस की पहली लैंडिंग कराई गई है।

रक्षा मंत्री ने दी बधाई : रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इस कामयाबी पर नौसेना को बधाई देते हुए कहा कि स्वदेश निर्मित तेजस की आइएनएस विक्रमादित्य पर पहली लैंडिंग बेहद खुशी की बात है। साथ ही यह सफल लैंडिंग भारतीय लड़ाकू विमान विकास कार्यक्रम के इतिहास में एक बेहतरीन लम्हा है। इस सफल परीक्षण के बाद अब नौसेना के लिए ट्विन इंजन वाले फाइटर विमान के देश में ही निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। बता दें कि जो विमान विक्रमादित्य पर उतरा है उसे खासतौर पर नौसेना के लिए ही विकसित किया गया है। इससे पहले, तेजस लड़ाकू विमान भारतीय नौसेना में शामिल हो चुका है।

विमानवाहक पोत आइएनएस विक्रमादित्य पर लैंडिंग करता तेजस। सौजन्य से- पीआरओ डिफेंस

कैसे होती है अरेस्टेड लैंडिंग

विमानवाहक पोत पर बने रनवे की लंबाई तय होती है। ऐसे में लड़ाकू विमान को अरेस्टेड लैंडिंग करना होती है। इसके लिए विमानों के पीछे के हिस्से में स्टील वायर से जोड़कर हुक लगाया जाता है। लैंडिंग के दौरान पायलट को हुक पोत में लगे स्टील के मजबूत केबल्स में फंसाना होता है। जैसे ही विमान डेक पर उतरता है, हुक तारों में पकड़कर उसे रोक लेता है।

13.20 मीटर लंबा, 4.40 मीटर चौड़ा है विमान, डैने 8.2 मीटर के हैं

2222 किमी प्रति घंटे की गति, 3000 किमी तक भर सकता है उड़ान

9500 किलो लोडेड क्षमता, हथियारों से लैस होने के बाद वजन 13,500 किलो

3000 लीटर है ईंधन क्षमता, 800 लीटर के पांच टैंक बाहर से जोड़े जा सकते हैं

54 हजार फीट की ऊंचाई तक उड़ान भरने में सक्षम है सिंगल पायलट वाला यह विमान

नकाबपोश उपद्रवियों का नेतृत्व कर रही थीं आईशी घोष : पुलिस

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- वामपंथी छात्र संगठनों के सातों विद्यार्थियों की नकाब वाली तस्वीरें भी मिलीं
- यूनाइटेड अगेंस्ट लेफ्ट नाम से बनाए गए वाट्सएप ग्रुप में शामिल 37 विद्यार्थियों की हुई पहचान

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में पांच जनवरी को हुई हिंसा मामले में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने शुक्रवार को वामपंथी छात्र संगठनों से जुड़े जिन सात विद्यार्थियों की तस्वीरें जारी की थीं, उन सभी की नकाब वाली तस्वीरें भी मिली हैं। पुलिस का कहना है कि पहले इन्होंने बिना नकाब पहने नए सेमेस्टर के लिए ऑन लाइन पंजीकरण करने वाले छात्रों पर हमला किया था। विवाद बढ़ जाने पर नकाब पहनकर उपद्रव शुरू किया ताकि पहचान न हो सके। इन उपद्रवियों का नेतृत्व जेएनयू छात्रसंघ अध्यक्ष आईशी घोष कर रही थीं। तीन व चार जनवरी को भी प्रशासनिक ब्लॉक स्थित सर्वर रूम में तोड़फोड़ करने, जेएनयू कर्मियों व सुरक्षा गार्डों से मारपीट के मामले में दर्ज एफआइआर में भी आईशी को नामजद किया गया है। जिन नौ लोगों की तस्वीरें शुक्रवार को जारी हुई थीं, पुलिस ने उन्हें नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया है।

क्राइम ब्रांच ने जिन दो अन्य नकाबपोश छात्रों की पहचान की है, उनमें योगेंद्र भारद्वाज शामिल हैं जो यूनाइटेट अगेंस्ट लेफ्ट नामक वाट्सएप ग्रुप का एडमिन था। पुलिस के मुताबिक, वामपंथी छात्र संगठनों से जुड़े लोगों ने जब ऑनलाइन पंजीकरण करने वाले छात्रों से मारपीट शुरू की तो विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) समर्थक योगेंद्र ने यूनाइटेड अगेंस्ट लेफ्ट नाम से ग्रुप बनाया और लिंक शेयर किया था। (पेज-5 भी देखें)